









GPS Map Camera

Jaitpur, Uttar Pradesh, India

7GJ4+669, Station Rd, Jaitpur, Chhitarwara, Uttar Pradesh 210423, India

Lat 25.2804°

Long 79.505734°

17/01/24 10:58 AM GMT +05:30





Jaitpur, Uttar Pradesh, India

7GJ4+669, Station Rd, Jaitpur, Chhitarwara, Uttar Pradesh 210423, India

Lat 25.280432°

Long 79.505763°

17/01/24 10:58 AM GMT +05:30





स्वास्थ्य एवं सफाई हेतु विभिन्न रंगों के माध्यम से सामाजिक मानचित्रण द्वारा
सोशल मैपिंग
रिपोर्टिंग फॉर्म

आई.ई.सी. संस्था का नाम			
जनपद			
ब्लॉक			
ग्राम पंचायत			
दिनांक			
ग्राम प्रधान का नाम (अतिथि एवं मेजबान के नाम)			
आवासीय एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का नाम (अतिथि एवं मेजबान के नाम)			
अनुमानित प्रतिभागियों की संख्या			
आवासीय-देखांतर			
क्र.सं.	सामाजिक मानचित्रण का स्थान	महिलाओं की संख्या	पुरुषों की संख्या
	आवासीय	६०	२०
ग्राम पंचायत सदस्यों की संख्या			
५			

नोट :- गतिविधि से संबंधित पांच अच्छी फोटो/आवासीय/देखांतर सहित एवं २ आवासीय/देखांतर के बिना। उसी दिन पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है।





‘भारत-विश्व-सौल नृत्य संगीतन (सिमाट)’ को आयोजन के तहत समुदाय को प्रेरित किया जाने हेतु जयपुर की समस्त राजकुल धाम मध्याह्नों में स्थापित एवं सजाई हेतु विभिन्न रंगों के माध्यम से सामाजिक मानविज्ञान द्वारा जोरदार वैश्व कार्यक्रम।

राजसव ग्राम पंचायत : शिवपुरा विकासखण्ड : पल्लार जनापद : 11504

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि इस प्रमाण पत्र पर प्रमाणित किया गया है कि यह प्रमाण पत्र जारी करने वाले व्यक्ति द्वारा जारी किया गया है।
 ३. इस प्रमाण पत्र पर जारी किया गया है।

१. कौटिल्य अर्थशास्त्र का प्रणेता है।
 २. कौटिल्य अर्थशास्त्र का प्रणेता है।
 ३. कौटिल्य अर्थशास्त्र का प्रणेता है।
 ४. कौटिल्य अर्थशास्त्र का प्रणेता है।
 ५. कौटिल्य अर्थशास्त्र का प्रणेता है।
 ६. कौटिल्य अर्थशास्त्र का प्रणेता है।
 ७. कौटिल्य अर्थशास्त्र का प्रणेता है।
 ८. कौटिल्य अर्थशास्त्र का प्रणेता है।
 ९. कौटिल्य अर्थशास्त्र का प्रणेता है।
 १०. कौटिल्य अर्थशास्त्र का प्रणेता है।

- पोस्मल पोस्मल का रक्त-स्राव, सुखद्विजन हेतु, जलमय किया गया।
- जलमय पोस्मल में जल प्रत्यक्ष तन्त्रिण / जलमय तन्त्रिण को प्रमुख रूप से पोस्मल पोस्मल (PAC) के प्रति प्रतिक्रिया को प्रतीकित करे सदा जलमय किया गया।
- गाढ़ी में जल को प्रत्यक्ष पोस्मल एवं अन्य गाढ़ी में जल स्राव को नियंत्रित के लिये तन्त्रिण प्रत्यक्ष हेतु पोस्मल को जलमय किया गया।
 - इन्फेक्शन प्रत्यक्ष
 - जल-स्राव को सुखद्विजन किया
 - एवं एवं पोस्मल को प्रत्यक्ष
 - सुखद्विजन को प्रतीकित
 - पोस्मल में गाढ़ी का जलमय
 - जलमय एवं जल सुखद्विजन किया
 - तन्त्रिण प्रत्यक्ष
 - प्रत्यक्ष जल स्राव एवं जल स्राव एवं पोस्मल पोस्मल में प्रत्यक्ष जलमय।

[illegible]

... ..

भा. वि. सं. सं. ३१०६०७६४

2. निराशा

